| | | | |
|---|---|---|---|
| Cicero, M. T., Ausgewählte Briefe. Hrsg. von F. Hofmann. 8°. 1. | Berlin, 1860. | 13518 | 67a5 |
| " Sämmtliche Briefe übers. v. H. R. L. Mozynn. 8° 5-6. Buch verloren | Stuttg. 9 Lederbd. in 3 Bänden. o. J. | 15350. | 40a9 |
| " Reden für Lucius Murena u. über die Consularprovinzen. Erkl. v. Gst. Fischer. 8° | Berlin, 1861. | 12659. | |
| " Pro Sex. Roscio Amerino oratio ed. Kornitzer. 8° | Vindob. 1888 | 18259. | 16e33 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Cicero, | M. T., Epistolae, quae familiares, vocantur, nunc iterum correctae per M. Stephanum Riccium. 8° 2 vol | Gorlicij, 1579 & 1596. | 12423. |
| " | Epistolarum ad familiares libri XVI. 8° | Venetiis, | 11136. |
| | V. Bibliotheca Teubneriana. | 1771. | |
| " | ~~Epistolae. 8° Mit den Übers. und Erläuterungen von C. M. Wieland.~~ | ~~Wien,~~ ~~1813.~~ | ~~3.~~ |
| | ~~Lat. & Germ. (6 Bde) 8°~~ dupl. coll. 17481., 11. c. 20. Kattula | | |
| " | Epistolae hg. v. Fr. X. Schoenberger, übers. v. C. M. Wieland Bd. 4–12. 8° | Wien u. Triest 1813 – 1824 | 17481. |
| " | ~~Epistolae lat. et german. Übers. von C. M. Wieland. 8° 2 Bde.~~ | ~~Wien,~~ ~~1813.~~ | ~~12285.~~ |
| | dupl. coll. 3. 69. c. 2. Fgg. ad. 17481. 11. c. 20. | | |
| " 73c66 | Epistolae Briefe. Übers. mit Anmerkungen von Chr. T. Damm. 8° 4 Bde. | Berlin, 1747. | 7843. |
| " " " | Epistolae. Zum Schulgebrauch v. Jul. Billerbeck. 8° | Hannov., 1836 | 14656 |
| " | Vermischte Briefe. Übers. und erläutert von Aug. Chr. Borheck. 8° | Frankfurt a/M. 1782. | 10446. 34c94 |
| " | Briefe. Übers. und mit Anmerk. erläutert von Elias C. Reichard. 8° 4 vol. | Halle, 1783–84. | 10321 |
| " | Briefe. Übers. von Dr. G. H. Moser und Dr. Chr. H. Dörner. 16° 5 Bde. | Rottweil, 1843. | 168. 61f23 |
| " | Briefe an Marcus Brutus und primum Brutum Quintus Cicero. Übers. mit Anmerkungen von A. Chr. Borheck. 8° | Frankfurt a/M. 1789. | 10445. |
| " | Orationes, perpetuis notis logicis et illustr. per Th. Freigium. 8° | Hanoviae, 1602. | 3092. |
| " | Fons eloquentiae. Ed. M. du Cygne. 8° | Colon. 1718. | 6920. |
| " | Commentarius in selectas M. T. Ciceronis orationes. Ed. II. (a P. Chr. Wahl) 8° | Monachii 1733. | 2306. |
| " | Orationes selectae, opera et studio Chr. Wahl. 8° 3 vol. | Tyrnaviae, 1754. | 11085. |
| " | Orat. select. liber unicus. 8° | Patavii, 1770 | 10774. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Cicero, | M. T., Orationes selectae. Mit metrisch. Hermann, | 131. | |
| | umdichtenden Anmerk. v. A. Möbius. Leipz. | 1851. | |
| | Im Schulgebrauch bearbeitet v. J. Chr. | | |
| | Lünsing. 8° Aufl. 5. | | |
| " | Ausgewählte Reden übersetzt von | Leipzig, | 12657. |
| | R. Berlin. Mit Anmerkungen herausg. | 1852-78. | |
| | von M. Hertzberg und H. Sauppe. 2 vol. 8° | | |
| | geb. in 6 " | | |
| " " | Reden für M. Marcellus, Q. Ligarius u. Deiotarus hg. v. Richter. 8° | Leipz. 1870 | 14401. 68c15 |
| " | Oratio pro P. Quintio festivissima. | Coloniae | 8590. |
| | Illustrata scholiis ex Bartholomeo Latomo | 1564. | |
| | & Francisco Sylvio Ambiano. 8° | Adlig. | |
| " | Rede für T. A. Milo deutsch v. H. Rösly. 8° | Nördlg. o. J. | 15352. |
| " | Trium orationum pro Scauro pro | Francof. | 9784. |
| | Sullio, pro Flacco partes ineditae. Illustr. | 1815. | |
| | Angelus Maius. 8°. | | |
| " | Rede für P. Cornelius deutsch v. H. Rösly. 8° | Nördlg. o. J. | 15351. |
| " | Lucius. Übers. mit Anmerkungen | Würzburg, | 10444. |
| | von J. L. Schmitt. 8° 3 Edn. | 1789. | |
| " | Lucius. Übers. v. C. M. Osiander. | Stuttgart, | 167. |
| | 16° 4 Edn. | 1839. | |
| " | Catilinarische Reden nebst 41 Reden | | |
| | der Cicero. Übersetzt von H. Berg. | | |
| | F. Spach, D. | | |
| " | Vier Reden gegen Catilina übers. v. H. Lindner. 8° | Nördlg. o. J. | 15353. |
| " | De officiis amicitia et senectute | Venetiis, | 10045. |
| | Paradoxa eiusdem. Opus Benedicti | 1506. | |
| | Brugnoli studio emaculatum. Fol. | Adlig. | |
| " | De officiis, amicitia, senectute et | Parisiis, | 10237. |
| | Paradoxis illustria monimenta. Cum | 1509. | VERLUST |
| | J. Badii Ascensii explanatione. Fol. | | |
| " | De officiis libri III. Item Laelius, | Francof. | 10648. |
| | Cato Maior, Paradoxa, Somnium Scipionis. 8° | 1569. | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Cicero, M. | I.) Orationes selecta. V. Bibliotheca Teubneriana. | | | |
| " " " | in compendio. Coll. ab E. Th. Höhler. | 8° | Viennae, 1825 | 23799 |
| " " " | Cato maior. Laelius. Paradoxa. Rec. Müller | | Lips. 1883 | 25119. |
| " " " | Orationes sel. XXI rec. Klotz. Ed. 2. | | " 1882/83 | 25120 |
| " " " | Orationum Tullian. decas rec. Linker I/2 | | Vindob. 1873 | 25114 |
| " " " | Ausgewählte Reden. 1. Bändchen: R. f. Sextus Roscius. R. f. d. Manilische Bill. Aus dem Lat. v. Max Oberbreyer. (Reclam 1148) | | Leipz. [1878] | 26896 109a265. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Cicero, | M. T., De officiis, amicitia et senectute. Paradoxa eiusdem. Fol. | Venetiis, 1606. | 1897. |
| " | De officiis ad Marcum filium libri III. 8° | Viennae, 1797. | 13300. |
| " | de officiis libri III. Ed. stereotypa. 8° | Lipsiae, 1843. | 87. |
| " | De officiis ad Marcum filium libri III. Erklärt von G. F. Unger. 8° | Leipzig, 1852. | 12660. |
| " | I tre libri degli offizj. Volg. dal Abate Facciolati. 8° | Venezia, 1844. | 11660. |
| " | Cicero Leben von den unnöthigen Pflichten Wörterbuch mit Cicero's Leben von J. Ad. Hofmann. 8° | Leipzig, 1742. | 3418. |
| " | Abhandlung über die unnöthigen Pflichten. Wörterb. v. Chr. Garve. 8° | Breslau, 1783. | 10437. |
| " | Cicero Leben von den Pflichten. Wörterb. von G. G. Uebeler. 16° | Stuttgart, 1834. | 166. |
| " | Tusculanarum quaestionum libri quinque. 8° | Dilingae, 1661. | 8201 |
| " | Tusculanarum disputationum ad M. Brutum libri V. Erklärt von Dr. G. Fischer. 2te Aufl. | Leipzig, 1850–1851. | 12658. |
| | De natura deorum libri III. Erklärt von G. F. Schoemann. | | |
| | Orator. Erkl. von Otto Jahn. | | |
| | Anfang: De optimo genere oratorum. 8° | | |
| " | a, Topica cum Commentariis Boetii. | Bragamae, | 5410. |
| | b, Annot. Hegendorf. in Verr. Actiones. 8° | 1529. | |
| " | Rhetorici libri. Ed. ad Manutianam et Brutinam conformata. 8° | Francof. 1590. | 6893. |
| " | Ad Marc. Brutum Orator. Cum Victorii Pisani Commentario. 4° | Lugduni, 1536. | 9700. |

VERLUST
VERLUST

| | | | |
|---|---|---|---|
| Cicero, | M. T. Brutus de claris oratoribus. erklärt von Otto Jahn. | Leipzig, 1849, 1851 | 12661.. 67a6 |
| | Cato Major sive de senectute dialogus erklärt von Julius Sommerbrodt. | 1852. | |
| | Laelius sive de amicitia dialogus. erklärt von Dr. C. W. Nauck. | | |
| " | Tusculanische Untersuchungen. Übers. von F. Th. Kern. 16° | Stuttgart, 1827. | 155. |
| " | a) Gesetzes mit seinem Leben über die menschliche Einsichtung; Rezit. Übers. von Dr. Th. Moser. | | |
| | b) Zwei Bücher über die Gesetze. Übers. von L. Aug. F. Bergen. 16° | Stuttgart, 1838. | 165. |
| " | Tusculanen übers. u. erläut. v. R. Kühner. 8° 2. A. | Hildbg. u. L. | 15349. |
| " | Rhetorik. Übers. von Dr. G. Th. Moser 16° | Stuttgart, 1837. | 163. |
| " | Rhetorik, zu Grunde d. Übers. von Gw. Wolz. 16° | Stuttgart, 1842. | 164. |
| " | a) Zwei Reden. Übers. von C. A. Mebold. b) Zwei Bücher von der Weissagung und von Schicksalen. Lat. Übers. nebst von Dr. Georg Heinr. Moser. 16° | Stuttgart, 1827. | 157. 61 f 12 |
| " | a) Brutus oder von den berühmten Rednern. Übers. von Dr. C. A. Mebold. | Stuttgart, 1827. | 156. 61 f 11 |
| | b) Cato der Ältere oder von Greisenalter und Laelius oder von der Freundschaft. Übers. von W. M. Perl. 16° | | |
| " | Zwei Bücher von Redner. Übers. von Dr. J. F. K. Dilthey. 16° | Stuttgart, 1829. | 160. |
| " | Bücher von der Divination. Übers. von J. J. Gottlieben. 8° | Zürich, 1789. | 10447. 34c 95 |
| " | von Brutus oder der höchste Gut und über der höchste Übel. Aus dem Lat. mit Anmerk. v. C. J. Tilling. 8° | Rhine, 1802. | 2897. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Cicero M. T. | Verrinarum ll. VII rec. C. T. Zumpt. | 8 Berol., 1831 | 14673 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Cicero, M. T. | De finibus bonorum et malorum libri V. Recensuit J. N. Madvigius. Ed. III. | Hauniæ, 1876. | 15078. |
| " | Laelius, de amicitia dialogus. Mit v. Commentar herausg. v. Mw. Dryffhout. 2. Aufl. besor. v. E. L. H. Müller. | Leipzig, 1876. 8° | 12453. 38 d 17 |